फरीदाबाद
मजदूर समाचार
अनुभवों तथा विचारों के आदान.प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabad majdoorsamachar.blogspot.in >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी,
आटोपिन झुग्गी,एन.आई.टी.
फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर **342** *1/–* *दिसम्बर* **2016**

बेताल ने पूछा :
क्यों न करो मनी को रिजैक्ट?

आजकल तो तेरा जासूसी उपन्यासों में रुझान बहुत बढ गया होगा ?

लाइफ जासूसी नोवेल से ज्यादा इन्टैरेस्टिंग हो गई है। हर कोई जैसे उपन्यास का पात्र भी है और उपन्यास का पाठक भी है।

सवाल यह हैं : कैसे पात्र बने हैं ? कौन से पात्र बने हैं ? क्या रहस्य ढूँढ रहे हैं?

कौन से रहस्य में उलझे हैं ? कौन से रहस्य में घिरे हैं ?

इस रहस्य और इसके पात्रों में मजेदार बात यह है कि यहाँ मानवों और ना–मानवों के बीच टकरावों से बढते खलल ने सीमायें धुँधला दी हैं।

आप तो कोई नई तरह का नोवेल रच रहे हो। ये ना–मानव पात्र कौन हैं ?

मेरे ना–मानव पात्र हैं : इलेक्ट्रोनिक्स, बैंक, कैश, ए टी एम, डिजिटल, पेटीएम, पासवर्ड।

(हँसते हुये) आपने मेरे ना–मानव पात्रों को तो विस्थापित कर दिया !

कौन से ?

अरे ! आप भूल गये !! वो विगत के नारे। वो फिल्मों की शान। रोटी, कपड़ा, और मकान।

हा–हा ! रोटी, कपड़ा, मकान का इतना उत्पादन हुआ है कि अब वे वजनदार ना–मानव नहीं रहे। ठण्डे दिमाग से देख, आसपास देख, यह तीनों मानवों की आज आवश्यकताओं से बहुत अधिक मात्रा में हैं।

बात तो सही है। घर से फैक्ट्री की तरफ जाता हूँ तब जूते ही जूते, जीन्स ही जीन्स, खाली–खाली इमारतें, हजारों में खाने की जगहें दिखती हैं।

तेरे वाले ना–मानव पात्र साइड कैरेक्टर हो गये हैं। अब नये वाले आये हैं। यह नये पैमाने ले कर आये हैं। दैनिक भाषा में सँख्याओं ने अचानक नया व्यक्तित्व धारण कर लिया है। पन्द्रह लाख करोड़ ऐसे बोलते हैं लोग जैसे उन्हें नजर आ रहा है।

मैं अपने आप से पूछता हूँ : नजर आ क्या रहा है ? बात खाली बड़ी सँख्या की ही नहीं है। बात तीव्र गति की भी है। बात अरबों लोगों के आपस में घनिष्ठ तौर पर जुड़े होने की भी है।

पैमाना, रफ्तार, और जोड़ मेरे रहस्य के दैनिक अहसास में हैं। इसमें मैं कैशलेस की जगह मनीलेस को टैस्ट कर रहा हूँ।

अरे बाप रे ! यह तो बता कि मैं तेरी मदद किस तरह कर सकता हूँ। तेरे पर तो कोई अद्भुत बेताल सवार है।

हा–हा ! तू शायद ठीक कह रहा है। बेताल तो हावी मान्यताओं की ताल से बाहर खड़ा हो कर जीवन के रहस्य के सवाल पूछता है। मैं चाहता हूँ कि मैं और मेरे पाठक, दोनों आज मानवों और ना–मानवों के बीच रिश्तों पर बेताल की तरह झपट पड़ें। और सवाल पूछें।

अभी मैं सभी को मैसेज भेजता हूँ कि आज के रहस्य पर कुछ बेताल हो कर सवाल भेजें।

असंगत बन गये है

कानूनों का उल्लंघन सामान्य बन गया है। कानूनों का पालन अपवाद बन गया है। कानूनों का कार्य नहीं कर पाना, कानूनों का नाकारा हो जाना, कानूनों का असंगत बन जाना एक लक्षण है। यह इस बात का लक्षण है कि जिन सामाजिक सम्बन्धों के आधार पर कानून खड़े हैं वे सामाजिक सम्बन्ध कार्य नहीं कर पा रहे, वे सामाजिक सम्बन्ध नाकारा हो गये हैं, वे सामाजिक सम्बन्ध असंगत हो गये हैं। सामाजिक सम्बन्ध और उसके कानूनों का असंगत होना नये सामाजिक सम्बन्ध की आवश्यकता की अभिव्यक्ति भी है, नये सामाजिक गठन की पूर्ववेला भी है। ऊँच-नीच, मण्डी-मुद्रा, खरीद-बिक्री, हानि-लाभ, रुपये-पैसे, मजदूरी-प्रथा वाले सामाजिक सम्बन्ध की जगह क्या ? विश्व के सात अरब लोगों में इस पर मन्थन हो रहा है। हमें लगता है कि फैक्ट्री मजदूरों की इस सामाजिक मंथन में उल्लेखनीय भूमिका है। इस सन्दर्भ में आदान-प्रदान बढाने में मजदूर समाचार योगदान देने के लिये फैक्ट्री मजदूरों की बातों को प्रकाशित करता है।

एल जी बालकृष्णन (17 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में कार्य करते 300 मजदूरों में 10 परमानेन्ट हैं। दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। बोनस नहीं दिया। जुलाई से देय डी ए नहीं दिया। यहाँ सुजुकी और होण्डा बाइक की चेन बनती है।

नवशिखा पोलीपैक (194 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। लगातार 36 घण्टे भी रोक लेते हैं, रोटी के लिये तब 50+50 रुपये देते हैं। महीने में 180 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से, और 10-12 घण्टे खा भी जाते हैं।

हरियाणा ग्लोबल (7 ई नोरदर्न इण्डिया कॉम्पलैक्स, मथुरा रोड़, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 12½ घण्टे की एक शिफ्ट है और ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। हैल्परों को हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम, तनखा 7000 रुपये और ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। डायरेक्टर ने मजदूरों से कहा है कि नवम्बर की तनखा 3 दिसम्बर को ही दे देंगे, अवैध हुये नोटों में देंगे पर बैंकों के सामने लाइनों में लगने वाले समय को ड्युटी में गिनेंगे , पैसे नहीं काटेंगे।

रूप ऑटोमोटिव्ज (439-440 सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में सुबह 6½ से साँय 5 और साँय 5 से अगली सुबह 6½ बजे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम के 50 रुपये प्रति घण्टा। रात में 13½ घण्टे ड्युटी और नाइट अलाउन्स नहीं। फैक्ट्री में जो रोटी मिलती हैं वे प्लास्टिक जैसी। ज्यादातर ऑपरेटर टेम्परेरी वरकर हैं, 4-5-6 वर्ष से काम कर रहे हैं, कभी इस ठेकेदार कम्पनी तो कभी उस ठेकेदार कम्पनी के खाते में नाम डालते रहते हैं। प्रेजेन्टी 500 रुपये है और एक छुट्टी पर सब खत्म। घर जाने के लिये एक महीने की छुट्टी ली तो रीज्वाइनिंग और फिर इन वरकरों को बोनस देते ही नहीं। फैक्ट्री में 500 लोग टोयोटा के दस मॉडल और टाटा नैनो कारों के स्टीयरिंग बनाते हैं।

सान इन्टरनेशनल (203 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में काम करते करीब 1000 मजदूरों की ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। सुबह 9½ से रात 1½ बजे तक काम। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। टेलरों को 8 घण्टे के 367 रुपये। धमकाने के लिये 10-12 लोग फैक्ट्री में घूमते रहते हैं।

मितासो एपलाएन्सेज (102 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम तनखा, हैल्परों को 6500-7000 और ऑपरेटरों को 7500-8000 रुपये। वैल्डरों की तनखा 9000 रुपये। यहाँ 200 वरकर मारुति सुजुकी, आयशर, जे सी बी वाहनों के पार्ट्स बनाते हैं। ई एस आई तथा पी एफ आधे मजदूरों के ही हैं।

ज्योति एपरेल्स (10 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में 150 मजदूर सुबह 9 से रात 8 बजे तक और फिर इन में से 70-80 लोग रात 1 बजे तक काम करते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 34 रुपये प्रति घण्टा। रात 8 बजे तक कम्पनी एक कप चाय भी नहीं देती और रात एक बजे तक वालों को रोटी के मात्र 30 रुपये देती है। फैक्ट्री में नैक्स्ट के लिये वस्त्रों की सिलाई होती है।

जे आर एन इंजिनियरिंग वर्क्स (नैपको गियर कम्पाउण्ड, मथुरा रोड़, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। करीब 200 वरकरों को प्रतिदिन 12 घण्टे पर 26 दिन के 8000 रुपये, ई एस आई नहीं, पी एफ नहीं। ऐसे 20 से कम मजदूर हैं जिन्हें 12 घण्टे रोज पर 26 दिन के 8800 रुपये और जिनकी ई एस आई तथा पी एफ हैं। यहाँ मैसी, एस्कोर्ट्स, स्वराज ट्रैक्टर के गियर और शाफ्ट बन कर न्यू एलनबरी फैक्ट्री जाते हैं। इधर 1 दिसम्बर को सुबह-सुबह डायरेक्टर फैक्ट्री पहुँचा और रात व दिन के वरकरों तथा स्टाफ की मीटिंग ली। साहब बोला कि नवम्बर की तनखा भी अवैध नोटों में है, नहीं लोगे तो दो महीने बाद देंगे। साहब यह भी बोला कि 5-10 हजार रुपये अवैध नोटों में एडवान्स देंगे और फिर हर महीने तनखा से 1000-2000 रुपये काटेंगे।

ए ए ऑटोटेक (157-58 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में 300 मजदूर 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में सुजुकी दुपहियों के हिस्से-पुर्जे बनाते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी कम, 35 से 42 रुपये प्रति घण्टा।

जे बी एम (133 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 50-60 मजदूरों की 8-8 घण्टे की तीन शिफ्ट और 650 वरकरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से, 40-45 रुपये प्रति घण्टा।

निश्चित है अनिश्चितता
फिर डर काहे का

नपीनो ऑटो एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स (7 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में 25 नवम्बर से सी-शिफ्ट बन्द कर दी और 1 दिसम्बर तक 200-250 टेम्परेरी वरकर निकाल दिये। कोई मजदूर एक महीने पहले लगा था तो किसी के ब्रेक में एक महीना बकाया था। मैनेजमेन्ट पहले बताती नहीं — कल दोपहर ढाई बजे ड्युटी करके लौटा था और आज सुबह 6 बजे की शिफ्ट में ड्युटी पर पहुँचा तो कार्ड पंच नहीं किया, बोले कि ब्रेक कर दिया है। फिक्स टर्म कॉन्ट्रैक्ट (एफ टी सी) वरकर नहीं निकाले हैं अभी। फैक्ट्री में हीरो दुपहियों के हारनेस बनते हैं।

मार्क एग्जास्ट (159-160 सैक्टर-5, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में काम कम होने पर 21-22 नवम्बर से 8 घण्टे की एक शिफ्ट है और 50 टेम्परेरी वरकर निकाल दिये हैं। फैक्ट्री में होण्डा दुपहियों के साइलैन्सर बनते हैं और कम्पनी की आई एम टी मानेसर में चार तथा बाहर दो फैक्ट्रियाँ हैं।

ओमैक्स ऑटो (6 सैक्टर-3, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में 15 नवम्बर से 12-12 की बजाय 8-8 घण्टे की दो शिफ्ट। वैल्ड शॉप से 29-30 नवम्बर को 50 वरकर निकाल दिये। यहाँ करीब 1000 मजदूर हीरो दुपहियों की बॉडी फ्रेम बनाते हैं।

कुछ इमेल पते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा < cm@hry.nic.in>
श्रम आयुक्त, हरियाणा < labour@hry.nic.in>
मुख्य मन्त्री, दिल्ली < cmdelhi@nic.in>
श्रम विभाग दिल्ली < labjlc2.delhi@nic.in >
ई एस आई महानिदेशक < dir-gen@esic.nic.in >
केन्द्रीय भविष्यनिधि आयुक्त < cpfc@epfindia.gov.in >
चीफ विजिलैन्स पी एफ < cvo@epfindia.gov.in >

टेढापन दर टेढापन

क्यू एच टालब्रोस (400 उद्योग विहार फेज-3, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में वर्दी के नाम पर मात्र एक शर्ट देते हैं और उसके 280 रुपये काटते हैं। प्रतिदिन सुबह 7 से रात 10-12 बजे तक ड्युटी। रविवार को भी काम। महीने में 150-175-200 घण्टे ओवर टाइम। भुगतान सिंगल रेट से करते हैं पर पे-स्लिप में घण्टे आधे दिखा कर पेमेन्ट दुगुनी दर से दर्शाते हैं।

स्पार्क क्लोथिंग (166 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में 200 मजदूर सुबह 9 से रात 8 तक रोज काम करते हैं, रात 1 बजे तक भी रोक लेते हैं। पेमेन्ट स्लिप में 15 हाजिरी दिखाते हैं जबकि वरकर महीने में 30 दिन काम करते हैं।

क्रियेटिव इम्पैक्स (ई-49/7 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में पे-स्लिप में ओवर टाइम की राशि दर्शाते थे, घण्टे नहीं लिखते थे। अक्टूबर से पे-स्लिप में ओवर टाइम के घण्टे दर्ज करने लगे हैं..... 40 घण्टे होते हैं तो 20 घण्टे लिखते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से करते हैं और कागजों में दुगुनी दर से दिखाते हैं।

ग्लोब कैपेसिटर (30/8 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में नवम्बर के दूसरे सप्ताह से बीस-बीस, तीस-तीस के ग्रुप बना कर मैनेजमेन्ट 275 परमानेन्ट वरकरों के बैंक खातों में 40 से 49 हजार रुपये भेज रही है। मैनेजमेन्ट संग-संग कह रही है कि हर महीने दस हजार रुपये वापस करोगे अन्यथा नौकरी से निकाल देंगे। और, 150-200 टेम्परेरी वरकरों को मैनेजमेन्ट ने नवम्बर की तनखा 2 दिसम्बर को अवैध 500 के नोटों में दी। बाकी 250-300 टेम्परेरी वरकरों की तनखा 7 दिसम्बर को बैंक खातों में भेजने की बात।

ए बी सी लैदर (875 उद्योग विहार फेज-5, गुड़गाँव स्थित) फैक्ट्री में 300 मजदूर सुबह 9 से रात सवा आठ बजे तक अरमानी, होगबॉस के लिये जैकेट आदि बनाते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से लेकिन कागजों में ऋचा ग्रुप की यह कम्पनी दुगुनी दर से दिखाती है।

एस्कोर्ट्स रेलवे डिविजन (115 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 200-250 टेम्परेरी वरकरों का महीने में 120-130 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से। लेकिन पे-स्लिप देते हैं और उसमें 60-65 घण्टे ओवर टाइम में दिखा कर पेमेन्ट दुगुनी दर से दर्शाते हैं। वर्षों से काम कर रहे टेम्परेरी वरकरों को बोनस नहीं देते और ठेकेदार कम्पनियाँ कहती हैं कि एस्कोर्ट्स कम्पनी उन्हें यह बोनस राशि नहीं देती।

आर के फोरजिंग (49 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में 200 मजदूर काम करते हैं। इधर 1 से 15 नवम्बर के पैसे 15 नवम्बर को ही दे दिये...... अवैध 500-1000 के नोटों में। इधर बैंक खाते खुलवाने के लिये कम्पनी हर वरकर से आई डी तथा फोटो लाने की कह रही है और मैनेजमेन्ट जल्द-ही 15 से 30 नवम्बर के पैसे अवैध नोटों में देने की जुगाड़ में है।

जय भारत एग्जास्ट सिस्टम (268 सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 70-75 परमानेन्ट और 500 टेम्परेरी वरकर हैं। अस्थाई मजदूरों में ऑपरेटरों की तनखा 8576 और हैल्परों की 8100 रुपये। वेतन में से मैनेजमेन्ट ई एस आई तथा पी एफ की राशि काटती है। कभी ई एस आई डिस्पेन्सरी जाते हैं तो राशि जमा नहीं कह कर कार्ड बन्द बताते हैं। पी एफ की काटी राशि जमा नहीं करने के कारण भविष्य निधि कार्यालय से फोन पर मैसेज आने बन्द हो जाते हैं।

साझेदारी

✶ मजदूर समाचार की 15-16-17 हजार प्रतियाँ छापते हैं। आई एम टी मानेसर, उद्योग विहार गुड़गाँव, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फरीदाबाद में मजदूर समाचार का वितरण हर महीने होता है। दिल्ली के इर्द-गिर्द के औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर समाचार की बीस हजार प्रतियाँ प्रतिमाह आवश्यक लगती हैं। बाँटने में अधिक लोगों की साझेदारी के बिना यह नहीं हो सकेगा। सहकर्मियों-पड़ोसियों-मित्रों-साथियों को देने के लिये 10-20-50 प्रतियाँ हर महीने लीजिये और मजदूर समाचार के वितरण में साझेदार बनिये।

✶ मजदूर समाचार के वितरण के दौरान फुरसत से बातचीत मुश्किल रहती है। इसलिये मिलने-बातचीत के लिये पहले ही सूचना देने का सिलसिला आरम्भ किया है। चाहें तो अपनी बातें लिख कर ला सकते हैं, चाहें तो समय निकाल कर बात कर सकते हैं, चाहें तो दोनों कर सकते हैं।

— शनिवार, 31 दिसम्बर को सुबह 6 बजे से 9½ तक आई एम टी मानेसर में सैक्टर-3 में बिजली सब-स्टेशन के पास मिलेंगे। खोह गाँव की तरफ से आई एम टी में प्रवेश करते ही यह स्थान है। जे एन एस फैक्ट्री पर कट वाला रोड़ वहाँ गया है।

— उद्योग विहार, गुड़गाँव में फेज -1 में पीर बाबा रोड़ पर वोडाफोन बिल्डिंग के पास शुक्रवार, 30 दिसम्बर को सुबह 7 से 10 बजे तक बातचीत के लिये रहेंगे। यह जगह पेड़ के नीचे चाय की दुकान के सामने है।

— सोमवार, 2 जनवरी को सुबह 7 से 10 बजे तक चर्चा के लिये ओखला-सरिता विहार रेलवे क्रॉसिंग (साइडिंग) पर उपलब्ध रहेंगे।

✶ फरीदाबाद में दिसम्बर में हर रविवार को मिलेंगे। सुबह 10 से देर साँय तक अपनी सुविधा अनुसार आप आ सकते हैं। फरीदाबाद में बाटा चौक से थर्मल पावर हाउस होते हुए रास्ता है। ऑटोपिन झुग्गियाँ पाँच-सात मिनट की पैदल दूरी पर हैं।

फोन नम्बर : 0129-6567014

व्हाट्सएप के लिये नम्बर : 9643246782

ई-मेल < majdoorsamachartalmel@gmail.com >

बढ़ती असुरक्षा कम्पनियों की

(तीस वर्ष पहले फैक्ट्रियों पर पूर्व फौजी आमतौर पर सेक्युरिटी गार्ड होते थे। गार्डों की तनखा प्रोडक्शन करते मजदूरों से ज्यादा होती थी। इन बीस वर्षों में बड़ी-छोटी फैक्ट्रियों पर सेक्युरिटी गार्ड आमतौर पर ठेकेदार कम्पनियों के जरिये रखे जा रहे हैं और गार्डों की तनखा प्रोडक्शन में टेम्परेरी वरकरों से भी कम है। यह कम्पनियों की बढती कमजोरी की एक अभिव्यक्ति है जो कम्पनियों की असुरक्षा को बढा रही है।)

✶ ***एस डी एस ग्रुप सेक्युरिटी*** द्वारा कम्पनियों को सप्लाई किये जाते गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्टों में ड्युटी। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 12,500 रुपये — ई एस आई तथा पी एफ राशि काट कर। पैसे चैक से, 9-10 तारीख को। और, 12500 में से हर महीने 400 रुपये वर्दी के काटते हैं..... वर्ष में 4800 रुपये वर्दी के काटते हैं!

✶ ***एस एल वी सेक्युरिटी*** द्वारा गुड़गाँव में कम्पनियों को सप्लाई किये जाते गार्डों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट। साप्ताहिक अवकाश नहीं। प्रतिदिन 12 घण्टे ड्युटी पर 30-31 दिन के 10,700 रुपये। ओवर टाइम नियम-कानून अनुसार लगायें तो गार्ड की तनखा 4500 रुपये हुई।

औसतन फैक्ट्री में आज एक मजदूर महीने में बीस लाख रुपये के बराबर का उत्पादन करता-करती है और वरकरों की तनखा पाँच हजार से साठ हजार रुपये है।

मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली

हम दो मित्र तीन महीने से मायापुरी इन्डस्ट्रीयल एरिया (बी-ब्लॉक, फेज-1) में सुबह की शिफ्टें शुरू होने के समय मजदूर समाचार की प्रतियाँ ले कर गये हैं। इस दौरान कुछ मजदूरों से बातचीतें भी हुई हैं।

दिल्ली के मायापुरी औद्योगिक इलाके में लगभग 1800 फैक्ट्रियाँ हैं। दो लाख वरकर काम करते हैं। मेटल फोर्जिंग, पावर प्रेसों का काफी काम है — गाड़ियों के पार्ट्स बनते हैं। वाहन रिपेयर के छोटे वर्कशॉप और कार-स्कूटर/बाइक कम्पनियों के सर्विस स्टेशन भी हैं। बड़ा स्क्रैप मार्केट है। कबाड़ से मेटल को रीसाइकलिंग के जरिये पुनः उपयोग के लिये तैयार किया जाता है। गाड़ियों को तोड़ कर उनके पार्ट्स अलग किये जाते हैं। गारमेन्ट एक्सपोर्ट फैक्ट्री, लकड़ी का काम, मोबाइल फोन के सर्विस सेन्टर हैं। बाथरूम फिटिंग, इलेक्ट्रिक पार्ट, स्टेपल पिन, चमड़े का सामान भी बनता है। वरकर गोदाम में, लोडिंग के काम में, और बतौर गार्ड भी लगे हैं।

दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र में लागू नहीं है। ऐसी फैक्ट्रियाँ/वर्कशॉप हैं जहाँ तनखा 5000-5500 रुपये है। इस क्षेत्र में 6000-7000 रुपये वेतन सामान्य है। वर्कशॉपों में 15 से 25 वरकर और फैक्ट्रियों में 300-400 हैं। ऋचा ग्लोबल फैक्ट्री अपवाद है, मायापुरी क्षेत्र में इस फैक्ट्री में दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन लागू है। और ऋचा कम्पनी नियमित्र तौर पर नौकरी से निकालती रहती है, ब्रेक करते रहते हैं।

कम्पनियों द्वारा रखने तथा निकालने की ही तरह लगना और छोड़ना मजदूरों की रुटीन गतिविधि है। ऋचा ग्लोबल फैक्ट्री गेट पर भर्ती के लिये जुटते वरकर जहाँ ड्युटी कर रहे होते हैं वहाँ सामान्यतः देरी से पहुँचते हैं। नाइट शिफ्ट से लौटते एक मजदूर ने बताया कि वह खिस्क लेता है, ओवर टाइम नहीं करता। ओवर टाइम का मामला माइक्रोमैक्स कम्पनी में भी खूब है। मायापुरी क्षेत्र वाली माइक्रोमैक्स फैक्ट्री में 450 वरकर हैं, प्रतिदिन 9 घण्टे की ड्युटी पर महीने के 9000 रुपये। थोड़े पुराने होते ही मजदूर ओवर टाइम करने से इनकार करने लगते हैं। इसलिये माइक्रोमैक्स मैनेजमेन्ट हर समय नये वरकर भर्ती करने में लगी रहती है। इधर नवम्बर में एक छोटी डिपार्टमेन्ट में, 13 में से 4 को एक दिन माइक्रोमैक्स मैनेजमेन्ट ने नौकरी से निकाल दिया। डिपार्टमेन्ट में रहे 9 मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। माइक्रोमैक्स मैनेजमेन्ट को निकाले चार वरकरों को वापस ड्युटी पर लेना पड़ा।

छँटते गोरे अन्धेरे

★शिव काला, राम काला, कृष्ण काला को पूजने वाले हों। चाहे मनुष्यों के पाप ढोते ईश्वर पुत्र की अचर्ना करने वाले हों। चाहे चपटी से गोल बनी पृथ्वी पर निराकार अल्लाह को मत्था टेकने वाले हों। चाहे जन्म को शाप और जीवन को दुख लेते नास्तिक जैन-बौध मत वाले हों। चाहे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, फिल्म स्टार, खिलाड़ी हों। चाहे गार्डों के पहरे वाले मकानों या झुग्गी बस्ती में रहते लोग हों। चाहे गाँववासी हों या शहरवासी। चाहे दक्षिणपंथी, वामपंथी, स्वतंत्र, निरपेक्ष हों। चाहे स्त्री हों, पुरुष हों, बच्चे हों। गौरी-गोरा मानी सुन्दर की सतही-छिछली धारणा तथा गोरेपन की चाहत-प्रयासों की व्यापकता ने उपमहाद्वीप में इसे एक सामाजिक मनोरोग बना रखा है..... और रचनात्मकता के अनेकानेक आयामों, पृथ्वी के कोने-कोने में रचनात्मकता, भारी मात्रा में रचनात्मकता ने, सामाजिक रचनात्मकता ने सामाजिक मनोरोगों को बौना कर आज को अत्यन्त जीवन्त बना दिया है।

★ वैध-अवैध, काला-सफेद, ब्लैक-व्हाइट निर्धारित करती सरकारों की अपनी लड़खड़ाहटों के संग-संग यह धारणायें डगमग हैं। सात अरब लोगों के बीच व्यापक मन्थन और आदान-प्रदान आज की हकीकत है। वैश्विक मजदूरों, ग्लोबल वेज वरकरों की गतिविधियाँ गोरे अन्धेरों को विलोप की तरफ धकेल रही हैं। गोरे अन्धेरों का छँटते जाना सामाजिक मनोरोगों की मृत्यु और मानव योनि में जन्म एक उल्लास तथा जीवन एक आनन्द का उद्घोष है।

स्वयं के कदमों की गमक-घमक

सिधवाल रेफ्रीजरेशन (23 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित) फैक्ट्री में 10-12 परमानेन्ट और 250 टेम्परेरी वरकर मैट्रो ए सी, वाटर कूलर, फौजी टैन्कों के ए सी बनाते हैं। टेम्परेरी वरकर को 7 महीने रजिस्टर में दिखाते हैं और फिर उसे वाउचर पर पैसे देते हैं। अस्थाई मजदूर पूरे वर्ष काम करते हैं और इस हेराफेरी के जरिये उन्हें बोनस इस बार 3500-4000 रुपये ही दिया। पिछली सर्दी में महीने में 150 घण्टे ओवर टाइम होता था पर इस वर्ष अभी 60-70 घण्टे ही हुआ है। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से भी काफी कम, मात्र 30 रुपये प्रति घण्टा। सुबह 8½ बजे शिफ्ट आरम्भ होती है और रात दस बजे तक रोकते हैं तब रोटी के लिये 35 रुपये देते हैं। इधर 15 नवम्बर को परमानेन्ट मजदूरों को नवम्बर की तनखा एडवान्स दे दी — अवैध हुये 500-1000 रुपये के नोटों में। और स्टाफ को — यहाँ के, दिल्ली हैड ऑफिस के, तथा हिमाचल व उत्तराखण्ड स्थित फैक्ट्रियों के स्टाफ को 16 नवम्बर को 50-50 हजार रुपये अवैध 500-1000 रुपये के नोटों में दिये और बोले कि जिन्होंने नहीं लेने वे इस्तीफा दें। रजिस्टर वाले और वाउचर वाले टेम्परेरी वरकरों को कम्पनी ने कोई एडवान्स नहीं दिया — ले कर छोड़ जायेंगे या कहीं फोन कर देंगे। कम्पनी डरती है क्योंकि 7-8 महीने पहले एक मैनेजर ने फैक्ट्री में मोबाइल रखने पर 5-6 मजदूरों को बाहर किया था तब सब वरकर काम बन्द कर फैक्ट्री गेट पर एकत्र हो गये थे और निकाले हुओं को वापस लेने के बाद ही काम शुरू किया था।

ग्रोवरसन्स एपरेल्स (135 सैक्टर-4, आई एम टी मानेसर स्थित) फैक्ट्री में तनखा 18 तारीख को और एडवान्स 30 को देते थे। अक्टूबर की तनखा पुराने 500-1000 के नोटों में 10 नवम्बर को दे दी और 30 नवम्बर को एडवान्स नहीं दिया क्योंकि सब वरकरों ने कह दिया था कि अवैध घोषित नोट नहीं लेंगे। कम्पनी को मजदूर सप्लाई करती 6 ठेकेदार कम्पनियों ने सब वरकरों के बैंक खाते खुलवाने और ए टी एम कार्ड देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इधर ऊपर की मंजिल पर पैकिंग करती महिला मजदूरों की तनखा बढा कर 8000 रुपये कर दी है पर नीचे अभी नहीं बढाई है। प्रेजेन्टी के 500 रुपये खा जाते हैं।

वीयरवेल एक्सपोर्ट (बी-134 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित) फैक्ट्री में 29 नवम्बर को फ्लोर इन्चार्ज से तू-तू, मैं-मैं पर मैनेजमेन्ट ने पुलिस बुला कर 18 मजदूरों को बाहर निकाल दिया। फैक्ट्री में मजदूरों ने काम बन्द कर दिया। कम्पनी ने 18 में से 6 मजदूरों पर केस दर्ज किया, इन वरकरों ने जमानत ले ली। जिस दिन से 18 को बाहर किया है, फैक्ट्री गेट पर पुलिस रहती है। रोज बाकी 600 मजदूर फैक्ट्री में जाते हैं और आठ घण्टे बैठ कर बाहर निकलते हैं। दिसम्बर का दूसरा सप्ताह आरम्भ होने तक यही स्थिति है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए रौनिजा प्रिन्टर्स फरीदाबाद से मुद्रित किया।
RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73/15-17
सौरभ लेजर टाइपसैटर्स, बी—551 नेहरु ग्राउंड, फरीदाबाद द्वारा टाइपसैट।